

CHENGYU LIANYONG CIDIAN

# 成语连用词典

牛思耀 主编

金盾出版社

# 成 语 连 用 词 典

牛思耀 主 编

金 盾 出 版 社

## 内 容 提 要

两个成语连在一起使用,相较于单一的成语,会使表达更准确、含义更丰富,还可以起到增强语气、美化句子的作用。本书在参考了大量资料的基础上,收录了一千多组常连用的成语,并将其按照词条首字的汉语拼音音序进行了排列。通过释义、提示、举例,介绍了每组连用成语的基本含义及其连用效果,以方便读者学习参考。

### 图书在版编目(CIP)数据

成语连用词典/牛思耀主编. — 北京:金盾出版社,2013.9  
ISBN 978-7-5082-8016-5

I. ①成… II. ①牛… III. ①汉语—成语词典 IV. ①  
H136.3-61

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2012)第 270807 号

### 金盾出版社出版、总发行

北京太平路 5 号(地铁万寿路站往南)

邮政编码:100036 电话:68214039 83219215

传真:68276683 网址:www.jdcbs.cn

封面印刷:北京精美彩色印刷有限公司

正文印刷:北京万友印刷有限公司

装订:北京万友印刷有限公司

各地新华书店经销

开本:850×1168 1/32 印张:13.75 字数:520 千字

2013 年 9 月第 1 版第 1 次印刷

印数:1~6 000 册 定价:39.00 元

---

(凡购买金盾出版社的图书,如有缺页、  
倒页、脱页者,本社发行部负责调换)

## 前 言

成语，是汉语中不可缺少的组成部分。我们平常的谈话、演讲、写作，都离不开成语。如果使用得当，成语能为我们的谈话增彩，能为写作提供一种非常有力的表达工具。

对于成语的使用，除了单独使用之外，还有一种很常见的形式，那就是成语连用。顾名思义，成语连用就是将两个成语连在一起使用。比如：“在困难面前，我们一定要同心同德、齐心协力，这样才能共渡难关！”成语连用除了使表达更准确、含义更丰富外，还可以增强语气，使整个句子听起来抑扬顿挫、朗朗上口、铿锵有力。

两个成语连用，可以使描写更加生动，更加全面。如：“风和日暖，鸟语花香”分别从空气（风）、温度（暖）、声音（鸟鸣）、嗅觉（花香）四个角度描写春日美景，比单用一个成语更生动，更有画面感。

成语连用，有的是两个成语意思相近，连用之后，能起到强调语气的作用。如：“按部就班，循序渐进”。有的是虚实结合，一个成语是虚——比喻，一个成语是实——直白描述。如：“杯水车薪，无济于事”。有的是从不同角度描写事物，使要描写的情景更加具体、全面、生动。如：“哀鸿遍野，赤地千里”。

再举个例子：“浮想联翩，心潮澎湃”。前一个成语描写思绪，后一个描写心情，两个成语连用，表达出“思绪很多，心情很难平静”的意思，对这种状态的描写更加全面、更加准确。

所以说，两个成语连在一起使用，有时候可以产生“1”加“1”

大于“2”的效果。

当然，并不是任何地方、任何情况下都可以将两个成语连在一起使用，这要看当时的语境，还要看两个成语连在一起使用是否合情合理，是否准确。

为了便于大家学习参考，充分理解成语的连用技巧，我们根据多年的积累，在参考了大量相关资料的基础上，编了这本《成语连用词典》。书中收录常连用的成语一千多组。每组正文包含三部分内容，分别是“释义”、“提示”和“例句”。

“释义”是对单个成语的解释。

“提示”是对每个词条做出详细的阐述和分析，以便让读者明白单个成语在成语连用中起到什么作用，以及连用之后能产生什么样的效果，以便让读者触类旁通，举一反三。这也是本书的精华部分。

另外，每组词条都附有例句，以供读者参考。例句大多来自于文学作品，也有部分来自于报刊杂志。

在索引方面，本书按照词条首字的汉语拼音音序排列，读音相同的，按照笔画多少排列，笔画少的在前，笔画多的在后。词条中第一个成语相同的，按第二个成语的首字拼音音序排列。

本书从收集资料到正式出版，历时八年，可以说，这本书是集体力量的结晶，参与编写的人员有：岳志贤、黄凌、张海光、赵晓雪、黄志平、吴恒一、蒋鸿飞、李倩、张年海、曹芳、刘超、陈沛沛、洪嘉泰、陆晶、宁朝文、袁青、丁冲、苏桐、高宪德、徐雯、贾铭传、张达乾、李世瑶、周学增、韩冰冰、彭彦彰、梁明侠。

由于编者水平有限，不足之处在所难免，希望各位专家、各位读者朋友批评指正。

# 目 录

## A

|      |      |       |     |
|------|------|-------|-----|
| 哀鸿遍野 | 赤地千里 | ..... | (1) |
| 哀鸿遍野 | 民不聊生 | ..... | (1) |
| 唉声叹气 | 愁眉苦脸 | ..... | (2) |
| 唉声叹气 | 怨天尤人 | ..... | (2) |
| 爱民如子 | 忧民如伤 | ..... | (2) |
| 爱人以德 | 与人为善 | ..... | (3) |
| 爱憎分明 | 疾恶如仇 | ..... | (3) |
| 安分守己 | 得过且过 | ..... | (3) |
| 安分守己 | 束身自爱 | ..... | (4) |
| 安居乐业 | 休养生息 | ..... | (4) |
| 安之若素 | 处之泰然 | ..... | (4) |
| 按兵不动 | 袖手旁观 | ..... | (5) |
| 按部就班 | 循序渐近 | ..... | (5) |

## B

|      |      |       |     |
|------|------|-------|-----|
| 八面玲珑 | 面面俱到 | ..... | (6) |
| 八面玲珑 | 巧舌如簧 | ..... | (6) |
| 八面玲珑 | 左右逢源 | ..... | (6) |
| 跋前踖后 | 动辄得咎 | ..... | (7) |
| 跋山涉水 | 餐风饮露 | ..... | (7) |
| 白璧微瑕 | 无伤大雅 | ..... | (8) |
| 白头偕老 | 百年好合 | ..... | (8) |
| 白纸黑字 | 铁证如山 | ..... | (8) |
| 百发百中 | 万无一失 | ..... | (9) |

## • 2 • 目 录

|      |      |      |
|------|------|------|
| 百感交集 | 思绪万千 | (9)  |
| 百花齐放 | 百家争鸣 | (9)  |
| 百花齐放 | 春意盎然 | (10) |
| 百花齐放 | 各有千秋 | (10) |
| 百听不厌 | 耐人寻味 | (11) |
| 百无聊赖 | 无所事事 | (11) |
| 百依百顺 | 言听计从 | (11) |
| 百依百顺 | 有求必应 | (12) |
| 百折不挠 | 坚持不懈 | (12) |
| 半斤八两 | 旗鼓相当 | (12) |
| 半途而废 | 虎头蛇尾 | (13) |
| 半信半疑 | 举棋不定 | (13) |
| 膀大腰圆 | 横眉立目 | (13) |
| 饱经风霜 | 历经沧桑 | (14) |
| 饱食终日 | 百无聊赖 | (14) |
| 饱食终日 | 无所事事 | (14) |
| 饱食终日 | 无所用心 | (15) |
| 抱残守缺 | 陈陈相因 | (15) |
| 抱残守缺 | 墨守成规 | (15) |
| 抱头鼠窜 | 丢盔弃甲 | (16) |
| 抱头鼠窜 | 落荒而逃 | (16) |
| 杯弓蛇影 | 因噎废食 | (16) |
| 杯水车薪 | 无济于事 | (17) |
| 卑躬屈膝 | 低三下四 | (17) |
| 卑躬屈膝 | 阿谀奉承 | (18) |
| 悲从中来 | 泪如雨下 | (18) |
| 悲欢离合 | 苦辣酸甜 | (18) |
| 悲痛欲绝 | 五内俱焚 | (19) |
| 背井离乡 | 家破人亡 | (19) |
| 背井离乡 | 千里迢迢 | (19) |
| 背井离乡 | 无依无靠 | (20) |
| 背信弃义 | 乘人之危 | (20) |
| 奔走相告 | 拍手称快 | (20) |
| 奔走相告 | 喜出望外 | (21) |
| 奔走相告 | 议论纷纷 | (21) |
| 本末倒置 | 顾此失彼 | (21) |

|      |      |       |      |
|------|------|-------|------|
| 笨鸟先飞 | 勤能补拙 | ..... | (22) |
| 笨手笨脚 | 呆头呆脑 | ..... | (22) |
| 笔走龙蛇 | 一挥而就 | ..... | (22) |
| 闭关锁国 | 妄自尊大 | ..... | (23) |
| 闭目塞听 | 自以为是 | ..... | (23) |
| 避重就轻 | 守口如瓶 | ..... | (23) |
| 鞭辟入里 | 入木三分 | ..... | (24) |
| 变幻莫测 | 不可捉摸 | ..... | (24) |
| 变幻无穷 | 妙趣横生 | ..... | (24) |
| 变生肘腋 | 祸起萧墙 | ..... | (25) |
| 遍体鳞伤 | 不省人事 | ..... | (25) |
| 标新立异 | 独树一帜 | ..... | (25) |
| 标新立异 | 别开生面 | ..... | (26) |
| 表里不一 | 名不副实 | ..... | (26) |
| 表里如一 | 言行一致 | ..... | (27) |
| 别出心裁 | 标新立异 | ..... | (27) |
| 别开生面 | 独具匠心 | ..... | (27) |
| 宾朋满座 | 门庭若市 | ..... | (28) |
| 彬彬有礼 | 和蔼可亲 | ..... | (28) |
| 冰清玉洁 | 纤尘不染 | ..... | (28) |
| 兵多将广 | 国富民强 | ..... | (29) |
| 兵多将广 | 人强马壮 | ..... | (29) |
| 兵荒马乱 | 米珠薪桂 | ..... | (29) |
| 兵荒马乱 | 民不聊生 | ..... | (30) |
| 兵临城下 | 措手不及 | ..... | (30) |
| 秉公执法 | 铁面无私 | ..... | (30) |
| 拨乱反正 | 正本清源 | ..... | (31) |
| 波诡云谲 | 变幻莫测 | ..... | (31) |
| 博大精深 | 源远流长 | ..... | (31) |
| 博古通今 | 学贯中西 | ..... | (32) |
| 博闻强记 | 博古通今 | ..... | (32) |
| 博闻强记 | 过目成诵 | ..... | (32) |
| 博学多才 | 满腹经纶 | ..... | (33) |
| 捕风捉影 | 道听途说 | ..... | (33) |
| 不动声色 | 处之泰然 | ..... | (33) |
| 不动声色 | 行之若素 | ..... | (34) |

|      |      |       |      |
|------|------|-------|------|
| 不甘寂寞 | 待时而动 | ..... | (34) |
| 不古不今 | 不伦不类 | ..... | (34) |
| 不寒而栗 | 毛骨悚然 | ..... | (35) |
| 不合时宜 | 不识时务 | ..... | (35) |
| 不慌不忙 | 胸有成竹 | ..... | (35) |
| 不咎既往 | 不念旧恶 | ..... | (36) |
| 不拘小节 | 不修边幅 | ..... | (36) |
| 不亢不卑 | 若即若离 | ..... | (37) |
| 不闻不问 | 放任自流 | ..... | (37) |
| 不务正业 | 游手好闲 | ..... | (37) |
| 不相上下 | 势均力敌 | ..... | (38) |
| 不省人事 | 奄奄一息 | ..... | (38) |
| 不修边幅 | 玩世不恭 | ..... | (38) |
| 不学无术 | 好吃懒做 | ..... | (39) |
| 不学无术 | 胸无点墨 | ..... | (39) |
| 不徇私情 | 六亲不认 | ..... | (39) |
| 不知所云 | 不得要领 | ..... | (40) |
| 步步为营 | 稳扎稳打 | ..... | (40) |
| 步履蹒跚 | 心神不定 | ..... | (40) |
| 步人后尘 | 拾人牙慧 | ..... | (41) |

## C

|      |      |       |      |
|------|------|-------|------|
| 才华横溢 | 通古博今 | ..... | (42) |
| 才貌兼全 | 能文能武 | ..... | (42) |
| 才疏识浅 | 见笑大方 | ..... | (42) |
| 才思敏捷 | 文如泉涌 | ..... | (43) |
| 财大气粗 | 盛气凌人 | ..... | (43) |
| 餐风露宿 | 日夜兼程 | ..... | (43) |
| 惨淡经营 | 用心良苦 | ..... | (44) |
| 惨无人道 | 令人发指 | ..... | (44) |
| 仓皇失措 | 进退两难 | ..... | (44) |
| 藏龙卧虎 | 人才济济 | ..... | (45) |
| 草菅人命 | 无法无天 | ..... | (45) |
| 草长莺飞 | 繁花似锦 | ..... | (45) |
| 层出不穷 | 目不暇接 | ..... | (46) |

|      |      |      |
|------|------|------|
| 层出不穷 | 千变万化 | (46) |
| 察言观色 | 见风使舵 | (46) |
| 缠绵悱恻 | 荡气回肠 | (47) |
| 蟾宫折桂 | 独占鳌头 | (47) |
| 尝鼎一脔 | 窥豹一斑 | (47) |
| 长篇大论 | 引经据典 | (48) |
| 长驱而入 | 势如破竹 | (48) |
| 长袖善舞 | 多钱善贾 | (48) |
| 长吁短叹 | 愁眉不展 | (49) |
| 长吁短叹 | 无精打采 | (49) |
| 长吁短叹 | 抑郁寡欢 | (49) |
| 常备不懈 | 持之以恒 | (50) |
| 畅所欲言 | 各抒己见 | (50) |
| 车马盈门 | 络绎不绝 | (50) |
| 车水马龙 | 摩肩接踵 | (51) |
| 车载斗量 | 不可胜记 | (51) |
| 陈陈相因 | 故步自封 | (51) |
| 沉默寡言 | 谨小慎微 | (52) |
| 趁火打劫 | 浑水摸鱼 | (52) |
| 趁热打铁 | 因势利导 | (52) |
| 瞠乎其后 | 望尘莫及 | (53) |
| 瞠目结舌 | 不知所措 | (53) |
| 瞠目结舌 | 呆若木鸡 | (53) |
| 瞠目结舌 | 无言以对 | (54) |
| 瞠目结舌 | 哑口无言 | (54) |
| 诚惶诚恐 | 如履薄冰 | (54) |
| 诚惶诚恐 | 小心翼翼 | (55) |
| 乘风破浪 | 所向披靡 | (55) |
| 乘人之危 | 投井下石 | (55) |
| 承前启后 | 继往开来 | (56) |
| 惩前毖后 | 治病救人 | (56) |
| 吃喝嫖赌 | 无所不为 | (57) |
| 嗤之以鼻 | 不屑一顾 | (57) |
| 持之以恒 | 坚持不懈 | (57) |
| 持之有故 | 言之成理 | (58) |
| 叱咤风云 | 不可一世 | (58) |

|      |      |      |
|------|------|------|
| 赤诚相见 | 肝胆相照 | (58) |
| 赤地千里 | 民不聊生 | (59) |
| 赤地千里 | 十室九空 | (59) |
| 赤日炎炎 | 晴空万里 | (59) |
| 赤手空拳 | 单枪匹马 | (60) |
| 冲锋陷阵 | 出生入死 | (60) |
| 重足而立 | 侧目而视 | (60) |
| 踌躇满志 | 得意忘形 | (61) |
| 踌躇满志 | 得意洋洋 | (61) |
| 愁肠百结 | 寝食俱废 | (62) |
| 愁眉不展 | 忧心忡忡 | (62) |
| 愁眉苦脸 | 长吁短叹 | (62) |
| 稠人广众 | 挨肩擦背 | (63) |
| 臭味相投 | 沆瀣一气 | (63) |
| 臭味相投 | 狼狈为奸 | (63) |
| 出尔反尔 | 背信弃义 | (64) |
| 出口不逊 | 恶语伤人 | (64) |
| 出口成章 | 对答如流 | (64) |
| 出人头地 | 光宗耀祖 | (65) |
| 出神入化 | 炉火纯青 | (65) |
| 出生入死 | 身经百战 | (66) |
| 初出茅庐 | 才疏学浅 | (66) |
| 除暴安良 | 替天行道 | (66) |
| 处之泰然 | 若无其事 | (67) |
| 触景生情 | 感慨万千 | (67) |
| 触类旁通 | 举一反三 | (67) |
| 触类旁通 | 闻一知十 | (68) |
| 触目惊心 | 惨不忍睹 | (68) |
| 川流不息 | 熙熙攘攘 | (68) |
| 串通一气 | 狼狈为奸 | (69) |
| 串通一气 | 朋比为奸 | (69) |
| 疮痍满目 | 哀鸿遍野 | (69) |
| 窗明几净 | 一尘不染 | (70) |
| 吹毛求疵 | 求全责备 | (70) |
| 垂头丧气 | 无精打采 | (70) |
| 捶胸顿足 | 后悔莫及 | (71) |

|      |      |       |      |
|------|------|-------|------|
| 春风化雨 | 沁人心脾 | ..... | (71) |
| 春风满面 | 得意洋洋 | ..... | (71) |
| 春秋鼎盛 | 年富力强 | ..... | (72) |
| 唇红面白 | 眉清目秀 | ..... | (72) |
| 唇枪舌剑 | 针锋相对 | ..... | (72) |
| 此起彼伏 | 不绝于耳 | ..... | (73) |
| 聪明绝顶 | 过目成诵 | ..... | (73) |
| 从容不迫 | 对答如流 | ..... | (73) |
| 从善如流 | 虚怀若谷 | ..... | (74) |
| 猝不及防 | 手忙脚乱 | ..... | (74) |

## D

|      |      |       |      |
|------|------|-------|------|
| 大腹便便 | 脑满肠肥 | ..... | (75) |
| 大公无私 | 清正廉明 | ..... | (75) |
| 大惊失色 | 不知所措 | ..... | (75) |
| 大汗淋漓 | 气喘吁吁 | ..... | (76) |
| 大祸临头 | 危在旦夕 | ..... | (76) |
| 大逆不道 | 惨绝人寰 | ..... | (76) |
| 大千世界 | 光怪陆离 | ..... | (77) |
| 大千世界 | 芸芸众生 | ..... | (77) |
| 大势所趋 | 人心所向 | ..... | (77) |
| 大手大脚 | 挥金如土 | ..... | (78) |
| 大相径庭 | 迥然不同 | ..... | (78) |
| 大兴土木 | 劳民伤财 | ..... | (78) |
| 大义凛然 | 斩钉截铁 | ..... | (79) |
| 大智若愚 | 大巧若拙 | ..... | (79) |
| 呆若木鸡 | 不知所措 | ..... | (79) |
| 待人接物 | 彬彬有礼 | ..... | (80) |
| 待人接物 | 落落大方 | ..... | (80) |
| 单刀直入 | 开门见山 | ..... | (80) |
| 殚精竭虑 | 尽心尽力 | ..... | (81) |
| 殚精竭虑 | 呕心沥血 | ..... | (81) |
| 胆大妄为 | 无法无天 | ..... | (81) |
| 胆战心惊 | 魂飞魄散 | ..... | (82) |
| 淡泊明志 | 与世无争 | ..... | (82) |

|      |      |       |      |
|------|------|-------|------|
| 当机立断 | 敢作敢为 | ..... | (82) |
| 当机立断 | 悬崖勒马 | ..... | (83) |
| 刀光剑影 | 杀气腾腾 | ..... | (83) |
| 刀光剑影 | 血肉横飞 | ..... | (83) |
| 道不拾遗 | 夜不闭户 | ..... | (84) |
| 道貌岸然 | 口是心非 | ..... | (84) |
| 道听途说 | 添油加醋 | ..... | (84) |
| 倒行逆施 | 铤而走险 | ..... | (85) |
| 德才兼备 | 文武双全 | ..... | (85) |
| 得过且过 | 随波逐流 | ..... | (85) |
| 得心应手 | 挥洒自如 | ..... | (86) |
| 得心应手 | 游刃有余 | ..... | (86) |
| 得心应手 | 运用自如 | ..... | (86) |
| 得意忘形 | 手舞足蹈 | ..... | (87) |
| 灯红酒绿 | 纸醉金迷 | ..... | (87) |
| 灯红酒绿 | 醉生梦死 | ..... | (87) |
| 灯火辉煌 | 人山人海 | ..... | (88) |
| 灯火辉煌 | 人声鼎沸 | ..... | (88) |
| 等闲视之 | 掉以轻心 | ..... | (88) |
| 滴水不漏 | 万无一失 | ..... | (89) |
| 低眉顺眼 | 唯唯诺诺 | ..... | (89) |
| 羝羊触藩 | 进退两难 | ..... | (89) |
| 羝羊触藩 | 进退维谷 | ..... | (90) |
| 颠倒黑白 | 混淆是非 | ..... | (90) |
| 颠沛流离 | 饱经忧患 | ..... | (90) |
| 雕梁画栋 | 富丽堂皇 | ..... | (91) |
| 雕梁画栋 | 金碧辉煌 | ..... | (91) |
| 调虎离山 | 避实击虚 | ..... | (91) |
| 跌宕起伏 | 惊心动魄 | ..... | (92) |
| 喋喋不休 | 刨根问底 | ..... | (92) |
| 鼎鼎大名 | 如雷贯耳 | ..... | (92) |
| 顶礼膜拜 | 奉若神明 | ..... | (93) |
| 顶天立地 | 叱咤风云 | ..... | (93) |
| 丢盔卸甲 | 狼狈不堪 | ..... | (93) |
| 丢三落四 | 魂不守舍 | ..... | (94) |
| 东窗事发 | 锒铛入狱 | ..... | (94) |

|      |      |       |
|------|------|-------|
| 东倒西歪 | 七零八落 | (94)  |
| 东躲西藏 | 隐姓埋名 | (95)  |
| 东拉西扯 | 不着边际 | (95)  |
| 东拼西凑 | 粗制滥造 | (95)  |
| 东山再起 | 卷土重来 | (96)  |
| 斗转星移 | 寒来暑往 | (96)  |
| 斗转星移 | 时过境迁 | (96)  |
| 斗鸡走狗 | 问柳评花 | (97)  |
| 斗鸡走马 | 游山玩景 | (97)  |
| 独出心裁 | 标新立异 | (97)  |
| 独出心裁 | 别开生面 | (98)  |
| 独断专行 | 颐指气使 | (98)  |
| 独木难支 | 回天无力 | (98)  |
| 独木难支 | 众擎易举 | (99)  |
| 独辟蹊径 | 自成一家 | (99)  |
| 独树一帜 | 别具匠心 | (100) |
| 睹物思人 | 见鞍思马 | (100) |
| 度日如年 | 心急如焚 | (100) |
| 妒贤嫉能 | 排除异己 | (101) |
| 短兵相接 | 你死我活 | (101) |
| 断章取义 | 夸大其词 | (101) |
| 对症下药 | 妙手回春 | (102) |
| 对症下药 | 一针见血 | (102) |
| 对症下药 | 有的放矢 | (102) |
| 顿开茅塞 | 恍然大悟 | (103) |
| 顿开茅塞 | 豁然开朗 | (103) |
| 多愁善感 | 弱不禁风 | (103) |
| 多多益善 | 来者不拒 | (104) |

## E

|      |      |       |
|------|------|-------|
| 婀娜多姿 | 楚楚动人 | (105) |
| 阿谀奉承 | 攀龙附凤 | (105) |
| 饿殍遍野 | 民不聊生 | (105) |
| 饿殍遍野 | 怨声载道 | (106) |
| 恶贯满盈 | 咎由自取 | (106) |

|      |      |       |
|------|------|-------|
| 恶贯满盈 | 十恶不赦 | (106) |
| 恶贯满盈 | 天怒神怨 | (107) |
| 恩将仇报 | 过河拆桥 | (107) |
| 耳聪目明 | 容光焕发 | (107) |
| 耳目一新 | 别具一格 | (108) |
| 耳濡目染 | 潜移默化 | (108) |
| 耳软心活 | 反复无常 | (108) |
| 尔虞我诈 | 钩心斗角 | (109) |

## F

|      |      |       |
|------|------|-------|
| 翻然悔悟 | 改弦易辙 | (110) |
| 翻然悔悟 | 悬崖勒马 | (110) |
| 翻云覆雨 | 朝秦暮楚 | (110) |
| 反唇相讥 | 锋芒毕露 | (111) |
| 反躬自省 | 念念不忘 | (111) |
| 反躬自省 | 痛改前非 | (111) |
| 芳草如茵 | 繁花似锦 | (112) |
| 方兴未艾 | 生机勃勃 | (112) |
| 放浪形骸 | 醉生梦死 | (112) |
| 飞短流长 | 百口难辩 | (113) |
| 飞黄腾达 | 平步青云 | (113) |
| 飞沙走石 | 天昏地暗 | (113) |
| 飞檐走壁 | 如履平地 | (114) |
| 飞扬跋扈 | 盛气凌人 | (114) |
| 沸沸扬扬 | 莫衷一是 | (114) |
| 沸沸扬扬 | 众说纷纭 | (115) |
| 废寝忘食 | 乐此不疲 | (115) |
| 分化瓦解 | 各个击破 | (115) |
| 分秒必争 | 时不我待 | (116) |
| 纷至沓来 | 络绎不绝 | (116) |
| 焚林而畋 | 竭泽而渔 | (116) |
| 粉身碎骨 | 肝脑涂地 | (117) |
| 奋不顾身 | 不屈不挠 | (117) |
| 奋发图强 | 艰苦奋斗 | (117) |
| 丰功伟绩 | 万古流芳 | (118) |

|      |            |       |
|------|------------|-------|
| 丰富多彩 | 琳琅满目 ..... | (118) |
| 丰富多彩 | 目不暇接 ..... | (118) |
| 丰衣足食 | 安居乐业 ..... | (119) |
| 风餐露宿 | 披星戴月 ..... | (119) |
| 风尘仆仆 | 长途跋涉 ..... | (119) |
| 风度翩翩 | 笑容可掬 ..... | (120) |
| 风和日暖 | 鸟语花香 ..... | (120) |
| 风卷残云 | 狼吞虎咽 ..... | (120) |
| 风华正茂 | 年富力强 ..... | (121) |
| 风华正茂 | 鹏程万里 ..... | (121) |
| 风流倜傥 | 放荡不羁 ..... | (121) |
| 风流倜傥 | 一表人才 ..... | (122) |
| 风声鹤唳 | 草木皆兵 ..... | (122) |
| 风调雨顺 | 国泰民安 ..... | (122) |
| 风调雨顺 | 五谷丰登 ..... | (123) |
| 风雨飘摇 | 不可终日 ..... | (123) |
| 风雨飘摇 | 分崩离析 ..... | (123) |
| 风雨同舟 | 和衷共济 ..... | (124) |
| 风姿绰约 | 光彩照人 ..... | (124) |
| 锋芒毕露 | 直言不讳 ..... | (124) |
| 逢凶化吉 | 起死回生 ..... | (125) |
| 逢凶化吉 | 遇难呈祥 ..... | (125) |
| 凤毛麟角 | 屈指可数 ..... | (125) |
| 夫唱妇随 | 琴瑟和谐 ..... | (126) |
| 夫唱妇随 | 如胶似漆 ..... | (126) |
| 扶危济困 | 打抱不平 ..... | (126) |
| 扶危济困 | 见义勇为 ..... | (127) |
| 扶危济困 | 仗义疏财 ..... | (127) |
| 浮光掠影 | 浅尝辄止 ..... | (128) |
| 浮光掠影 | 走马观花 ..... | (128) |
| 浮想联翩 | 感慨万千 ..... | (128) |
| 浮想联翩 | 心潮澎湃 ..... | (129) |
| 抚今追昔 | 百感交集 ..... | (129) |
| 俯拾即是 | 不胜枚举 ..... | (129) |
| 俯首帖耳 | 唯命是从 ..... | (130) |
| 妇孺皆知 | 家喻户晓 ..... | (130) |

|      |            |       |
|------|------------|-------|
| 赴汤蹈火 | 舍生忘死 ..... | (130) |
| 赴汤蹈火 | 万死不辞 ..... | (131) |
| 赴汤蹈火 | 在所不辞 ..... | (131) |

## G

|      |            |       |
|------|------------|-------|
| 改恶从善 | 悔过自新 ..... | (132) |
| 改头换面 | 死灰复燃 ..... | (132) |
| 改邪归正 | 弃暗投明 ..... | (132) |
| 肝肠寸断 | 痛不欲生 ..... | (133) |
| 肝胆相照 | 亲密无间 ..... | (133) |
| 肝脑涂地 | 手胼足胝 ..... | (133) |
| 肝脑涂地 | 在所不辞 ..... | (134) |
| 感恩戴德 | 没齿难忘 ..... | (134) |
| 感激涕零 | 千恩万谢 ..... | (134) |
| 感人肺腑 | 催人泪下 ..... | (135) |
| 感人肺腑 | 发人深省 ..... | (135) |
| 旰食宵衣 | 励精图治 ..... | (135) |
| 刚愎自用 | 独断专行 ..... | (136) |
| 刚正不阿 | 铁面无私 ..... | (136) |
| 刚直不阿 | 疾恶如仇 ..... | (136) |
| 高视阔步 | 气宇轩昂 ..... | (137) |
| 高谈阔论 | 旁若无人 ..... | (137) |
| 高瞻远瞩 | 料事如神 ..... | (137) |
| 隔岸观火 | 袖手旁观 ..... | (138) |
| 隔靴搔痒 | 无济于事 ..... | (138) |
| 各得其所 | 皆大欢喜 ..... | (138) |
| 各奔前程 | 分道扬镳 ..... | (139) |
| 各持己见 | 莫衷一是 ..... | (139) |
| 各抒己见 | 百家争鸣 ..... | (139) |
| 各抒己见 | 议论纷纷 ..... | (140) |
| 各行其是 | 泾渭分明 ..... | (140) |
| 各执一词 | 莫衷一是 ..... | (140) |
| 根深蒂固 | 牢不可拔 ..... | (141) |
| 根深叶茂 | 源远流长 ..... | (141) |
| 更静人静 | 万籁无声 ..... | (141) |